B.A. Part II
Syllabus-Music

	Duration	Marks
Paper-I	3 hours	40
Paper-II	3 hours	40
		120

Paper-I

Section-A

(i) भरत और पं. भातखण्डे के अनुसार श्रुति व स्वर स्थान।

(ii) पं. अहोबल व पं. भातखण्डे के अनुसार वीणा के तार पर शुद्ध स्वरों की स्थापना।

Section-B

(i) लयकारी–दुगुन, तिगुन, चौगुन व छहगुन।

(ii) निम्नलिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन व चौगुन में लेखन।
धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, पंजाबी, सूलताल।

(iii) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विस्तृत अध्ययन, स्वर संगतियाँ एवं आलाप द्वारा विस्तार।

Section-C

(i) प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में बंदिशों की स्वरलिपि का लेखन।

(ii) दी गई स्वर संगतियों से राग पहचानकर न्यास स्वर दर्शाते हुए आलाप–तान लेखन ।

Paper-II

Section-A

(i) ग्राम एवं मूर्च्छना का अध्ययन।

(ii) मेजर व माइनर स्वर सप्तक।

(iii) उन्नीसवीं व बीसवीं शताब्दी के भारतीय संगीत का इतिहास।

Section-B

(i) राग–रागिनी पद्धति के अनुसार रागों का वर्गीकरण।

(ii) निम्नलिखित संगीतज्ञों की जीवनी–
उ0 अलाउद्दीन खाँ, उ0 अमीर खाँ, केसरबाई केरकर, पं. ओंकारनाथ ठाकुर।

Helpstudentpoint.com

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Section-C

(i) मेल व अन्य राग सिद्धान्त पं. भातखण्डे के दस थाट एवं भारतीय स्वरों के अनुसार बत्तीस थाट।

(ii) निम्नलिखित वाद्यों का परिचय विवरण व उपयोग–

पखावज, वीणा, दिलरूबा व बाँसुरी।

(iii) सांगीतिक विषय पर निबंध ।

प्रायोगिक

(i) रागों की स्वर संगतियाँ पहचानकर उस राग को गाना।

(ii) स्वर विस्तार द्वारा रागों का तुलनात्मक अध्ययन।

(iii) निम्नलिखित रागों का आरोहावरोह, पकड़ व स्वरविस्तार–

रामकली, बहार, तिलककामोद, जयजयवन्ती, मालकौंस, भैरव व खमाज।

(iv) उपरोक्त बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं तीन रागों में एक बड़ा ख्याल व एक छोटा ख्याल (आलाप–तान सहित)

(v) बिन्दु क. (iv) में चयनित रागों के अतिरिक्त किन्हीं दो रागों में एक छोटा ख्याल, गायकी सहित अथवा तराना।

(vi) बिन्दु क. (iii) में निर्धारित किन्हीं एक राग में एक ध्रुपद एवं एक धमार (दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित)

(vii) निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन व चौगुन में प्रदर्शन–धमार, तिलवाड़ा, एकताल, चौताल, रूपक, झूमरा व तीव्रा।

(viii) एक तराना, भजन अथवा चतुरंग।

Only For Session
2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Helpstudentpoint.com